

१ . सही उत्तर पर (✓) निशान लगाए।

(क) देवगढ़ के दीवान का नाम क्या था?

(i) सूरज सिंह (ii) सौजन सिंह (iii) सुजन सिंह (iv) सुजान सिंह

(ख) विज्ञापन में उम्मीदवारों के लिए क्या आवश्यक था?

(i) ग्रेजुएट (ii) हृष्ट-पुष्ट होना (iii) धनी होना (iv) किसी राज्य के दीवान होना

(ग) उम्मीदवारों को कितने महीने तक देवगढ़ में रहना था?

(i) एक (ii) तीन (iii) पाँच (iv) सात

(घ) कौन से उम्मीदवारों की संख्या सबसे अधिक थी?

(i) फेशन प्रेमी (ii) किसान (iii) ग्रेजुएट (iv) पंडित

(ङ) मैदान में कौन-सा खेल खेला जा रहा था?

(i) क्रिकेट (ii) हॉकी (iii) फुटबॉल (iv) गिल्ली डंडा

(च) किसान की मदद के बाद युवक ने क्या माँगा?

(i) अनाज (ii) पैसे (iii) इनाम (iv) खाना

(छ) हॉकी खेलते समय जिस नौजवान के चोट लगी उसका नाम था

(i) सुजान सिंह (ii) रामधन (iii) जानकीनाथ (iv) मोहन

(ज) गाड़ी पर किसान के वेश में कौन था?

(i) सुजान सिंह

(ii) रामधन

(iii) जानकीनाथ

(iv) मोहन

२ .पाठ के आधार पर सही (✓) या गलत (x) का निशान लगाए।

(क) दीवान सरदार सुजानसिंह बूढ़े हुए तो परमात्मा की याद आई।

(ख) देवगढ़ में नए-नए और रंग-बिरंगे पौधे दिखाई देने लगे।

(ग) प्रत्येक रेलगाड़ी से उम्मीदवारों का एक मेला-सा उतरता।

(घ) मिस्टर 'द' को किताब से घृणा थी, परंतु आजकल वे बड़े-बड़े ग्रंथ देखने-पढ़ने में डूबे रहते थे।

(ङ) लोग शतरंज और ताश जैसे खेल बच्चों के खेल समझे जाते थे।

(च) एक किसान अनाज से भरी हुई गाड़ी लिए हुए उस नाले में आया।

३ . कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

ऊषा	अप्रेंटिस	चालीस	पथिकों	खेल	तहलका
-----	-----------	-------	--------	-----	-------

(क) सरदार सुजानसिंह ने _____ साल तक सेवा की थी।

(ख) विज्ञापन ने सारे मुल्क में _____ मचा दिया।

(ग) मिस्टर 'अ' आजकल वे बगीचे में टहलते हुए _____ का दर्शन करते थे।

(घ) _____ भी तो आखिर एक विद्या है।

(ङ) गेंद किसी दफ्तर के _____ की तरह ठोकें खाने लगी।

(च) _____ को नाले में से चलकर आना पड़ता था।

४ . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) सरदार सुजानसिंह सेवानिवृत्त क्यों होना चाहते थे?

उत्तर . _____

(ख) लोग देवगढ़ में रियासत के दीवान पद को प्राप्त करना भाग्य का खेल क्यों समझ रहे थे?

उत्तर . _____

(ग) बूढ़ा जौहरी आइ में बैठा क्या देख रहा था?

उत्तर . _____

(घ) दीवान के पद के लिए कौन-कौन से उम्मीदवार आए थे?

उत्तर . _____

(ङ) युवक ने किसान की किस प्रकार मदद की?

उत्तर . _____

(च) देवगढ़ रियासत के 'दीवान' पद के लिए जानकी नाथ का चयन क्यों किया गया?

उत्तर . _____

५ . नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) स्थिर	x	_____	(ख) सज्जन	x	_____
(ग) हार	x	_____	(घ) कमज़ोर	x	_____
(ङ) आशा	x	_____	(च) सौभाग्य	x	_____

६. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) नेकनामी	=	_____	(ख) मुल्क	=	_____
(ग) जख्मी	=	_____	(घ) सहायकार	=	_____
(ङ) कष्ट	=	_____	(च) क्षमा	=	_____

७. नीचे दिए गए शब्दों के विशेषण रूप लिखिए।

(क) अनुभव	=	_____	(ख) नीति	=	_____
(ग) निराशा	=	_____	(घ) समूह	=	_____
(ङ) चिंता	=	_____	(च) लंबा	=	_____

८. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए।

(क) परीक्षा	=	_____	(ख) मन्दाग्नि	=	_____
(ग) सहानुभूति	=	_____	(घ) संसार	=	_____
(ङ) महानुभाव	=	_____	(च) सत्कार	=	_____

९. किसने किससे कहाँ?

		किसने कहा	किससे कहा
(क) "में तुम्हारी गाड़ी निकाल दूँ?"	=	_____	_____
(ख) "नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।"	=	_____	_____
(ग) "मेरे दीवानी के उम्मीदवार महाशयो!"	=	_____	_____

१०. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(क) अवस्था ढलना	=	अर्थ:- _____
		वाक्य:- _____
(ख) दाग लगना	=	अर्थ:- _____
		वाक्य:- _____
(ग) मिट्टी में मिलना	=	अर्थ:- _____
		वाक्य:- _____
(घ) हिम्मत बाँधना	=	अर्थ:- _____
		वाक्य:- _____
(ङ) कलेजा धडकना	=	अर्थ:- _____
		वाक्य:- _____

११. नीचे दी गई संज्ञा में से जातिवाचक, व्यक्तिवाचक और भाववाचक संज्ञा पहचानकर लिखिए।

देवगढ़ , सुजानसिंह, शक्ति, दीवान, जानकीनाथ, सादगी, हंस, पुल, दया, भलामानुस, शिखर, उदारता,
नारायण, खिलाड़ी, अन्ध्रखें, वात्सल्य, किसान

जातिवाचक संज्ञा	व्यक्तिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा

Answer

१. (क) सुजान सिंह (ख) हृष्ट-पुष्ट होना (ग) एक (घ) ग्रेजुएट (ङ) हॉकी
(च) इनाम (छ) जानकीनाथ (ज) सुजान सिंह
२. (क) ✓ (ख) x (ग) ✓ (घ) x (ङ) x (च) ✓
३. (क) चालीस (ख) तहलका (ग) ऊषा (घ) खेल (ङ) अप्रेंटिस (च) पथिकों
४. (क) सरदार सुजानसिंह बूढ़े हो चुके थे और अब वे राज-काज सँभालने में सक्षम नहीं रह गए थे। उन्हें डर था कि बढ़ती उम्र में कोई भूल चूक हो जाने से उनकी पूरी जिंदगी की मेहनत बर्बाद हो जाएगी। इसलिए उन्होंने सेवानिवृत्ति लेने का फैसला किया।
(ख) इस पद के लिए कोई विशेष योग्यता या डिग्री की आवश्यकता नहीं थी। बस एक महीने का परीक्षण काल था जिसमें उम्मीदवारों के आचरण और व्यवहार का मूल्यांकन किया जाना था। इसलिए लोग इसे भाग्य का खेल समझ रहे थे कि किस पर किस्मत मेहरबान होगी।
(ग) बूढ़ा जौहरी आड़ में बैठकर इन उम्मीदवारों के असली स्वभाव को परख रहा था। वह यह देखना चाहता था कि ये लोग अपनी-अपनी छवि को कैसे बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं और असल में ये कितने ईमानदार और योग्य हैं।
(घ) दीवान के पद के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों लोग आए थे। इनमें से कुछ ग्रेजुएट थे, तो कुछ साधारण लोग। सभी अपने-अपने तरीके से इस पद को पाने के लिए प्रयासरत थे।
(ङ) युवक जब हॉकी खेल रहा था तब उसके पैर में चोट लग गई थी। फिर भी उसने एक किसान की भरी हुई गाड़ी को दलदल से निकालने में मदद की। उसने अपनी चोट की परवाह किए बिना किसान को गाड़ी के साथ नाले से पार कराया।
(च) जानकी नाथ का चयन इसलिए किया गया क्योंकि उसने किसान की मदद करके अपनी दया, साहस और उदारता का परिचय दिया था। सरदार सुजानसिंह के अनुसार, एक दीवान में यही गुण होने चाहिए। जानकी नाथ ने साबित किया था कि वह इन गुणों से युक्त है।
५. (क) अस्थिर (ख) दुर्जन (ग) जीत (घ) मजबूत (ङ) निराशा (च) दुर्भाग्य
६. (क) प्रसिद्धि (ख) राष्ट्र (ग) घायल (घ) मददगार (ङ) तकलीफ (च) माफी
७. (क) अनुभवशील (ख) नीतिवान (ग) निराशाजनक (घ) सामूहिक (ङ) चिंताजनक (च) लंबाई
८. (क) परी + इक्षा (ख) मंद + अग्नि (ग) सह + अनुभूति (घ) सं + सार
(ङ) महा + अनुभाव (च) सत् + कार
९. (क) युवक ने किसान से नाले के किनारे कहा।
(ख) किसान ने युवक से नाले के किनारे कहा।
(ग) सरदार सुजानसिंह ने उम्मीदवारों से दरबार में कहा।
१०. (क) अर्थ: बुढ़ापा आना
वाक्य: दीवान जी की अवस्था ढलने लगी थी।
(ख) अर्थ: बदनाम होना
वाक्य: अगर मैं यह काम ठीक से नहीं कर पाया तो मेरे जीवन पर एक दाग लग जाएगा।
(ग) अर्थ: नष्ट हो जाना, खत्म हो जाना
वाक्य: सकी सारी मेहनत मिट्टी में मिल गई जब उसे यह पता चला कि उसे नौकरी नहीं मिली।
(घ) अर्थ: साहस जुटाना
वाक्य: युवक ने हिम्मत बाँधकर किसान की गाड़ी को नाले से बाहर निकाला।
(ङ) अर्थ: बहुत डर लगना, घबराना
वाक्य: चुनाव का परिणाम सुनने के लिए उम्मीदवारों का कलेजा धड़क रहा था।
११. जातिवाचक संज्ञा: देवगढ़, दीवान, किसान, खिलाड़ी
व्यक्तिवाचक संज्ञा: सुजानसिंह, जानकीनाथ, नारायण
भाववाचक संज्ञा: शक्ति, सादगी, हंस, दया, भलामानुस, शिखर, उदारता, वात्सल्य